International Journal of Humanities and Social Science Invention
ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714
www.ijhssi.org Volume 8 Issue 3 Ser. IV ǁ March. 2019 ǁ PP.92-94

विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों के संदर्भ में गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

डॉ. लोकेश त्रिपाठी
एसोसिएट प्रोफेसर बी.एड विभाग, बी.आर.डी.पी.जी. कॉलेज, देवरिया,

संक्षेप

बच्चों में अच्छी आदतें उनके बचपन में ही विकसित की जा सकती हैं। जिस प्रकार छोटे पौधे को आसानी से सीधा किया जा सकता है पर बड़ा वृक्ष बनने पर सीधा करना कठिन हो जाता है। उसी प्रकार बच्चों में अच्छी आदतों का विकास उसके जीवन के आरंभिक काल में ही सम्भव है। एक बार आदतें बन जाने पर उनमें परिवर्तन लाना कठिन होता है। शिक्षा के माध्यम से बच्चों में नैतिकता के विकास के साथ-साथ अध्ययन आदतों का विकास भी किया जा सकता है। इस कार्य में शिक्षकों, पालकों तथा समाज का योगदान अति महत्वपूर्ण होगा। प्रस्तुत शोध में विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव हेतु प्राप्त निष्कर्षों के अनुसार पाया गया कि गणित विषय की उपलब्धि पर उनकी अध्ययन आदतों का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

प्रस्तावना (Introduction) -

जब कोई व्यक्ति किसी कार्य को इच्छापूर्वक बार-बार करता है, तो वह उस कार्य को करने का अभ्यस्त हो जाता है। जिसे हम आदत कहते हैं जो सीखने का परिणाम होती है तथा निश्चित रूप से उपलब्धियों को प्रभावित करती हैं। वर्तमान समय में विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं अभिवृत्तियों में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। विद्यार्थी न केवल परीक्षा में सफल होने के लिए अपितु व्यावसायिक परीक्षाओं में भी सफलता की इच्छा के लिए अध्ययन करते हैं। अतः विद्यार्थियों में अध्ययन आदतों एवं अभिवृत्तियों को सकारात्मक रूप देने के लिए सार्थक प्रयास किए जाने चाहिए ताकि अध्ययन आदत विकसित कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि की जा सके तथा उनके भविष्य को उज्जवल बनाया जा सके।

शोध के उद्देश्य (Objectives of the Study) – शोध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं -

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी आदतों की जानकारी प्राप्त करना।
3. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की अध्ययन संबंधी आदतों का गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को जानना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses) – प्रस्तुत शोध की निम्नलिखित परिकल्पनाएँ हैं -

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों और उनकी गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह संबंध पाया जाएगा।
2. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में सार्थक अंतर पाया जाएगा।
3. उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया जाएगा।

परिसीमन (Delimitation) – यह अध्ययन देवरिया जनपदकी 02 शहरी एवं 02 ग्रामीण शासकीय शालाओं में अध्ययनरत 100 विद्यार्थियों तक परिसीमित है।

शोध प्रक्रिया (Research Process) -

- **शोध विधि (Research Method)** – प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।
- **न्यादर्श (Sample) -** प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रसंभाव्यता सिद्धांत पर आधारित यादृच्छिक न्यादर्श प्रतिचयन विधि का प्रयोग किया गया है। शोधकार्य के लिए कक्षा 10वीं के 100 विद्यार्थियों को चुना गया है जो हिन्दी माध्यम की शासकीय शालाओं में अध्ययनरत् हैं जिनमें से 25 छात्र व 25 छात्राएँ, शहरी क्षेत्र से तथा 25 छात्र व 25 छात्राएँ ग्रामीण क्षेत्र से चयनित किए गए हैं।
- **उपकरण (Tools) -** इस शोध हेतु निम्नांकित उपकरणों का प्रयोग किया गया है -
  1. अध्ययन आदत मापनी – प्रमापीकृत उपकरण डॉ. सी.पी.जी. माथुर द्वारा निर्मित
  2. शैक्षिक उपलब्धि मापनी - स्वनिर्मित उपकरण

चर (Variables) - प्रस्तुत शोध में निम्नांकित चर हैं -

1. स्वतंत्र चर – अध्ययन आदत
2. आश्रित चर – शैक्षिक उपलब्धि

सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Operations) – प्रस्तुत शोध में सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मध्यमान के अंतर की सार्थकता की गणना की गयी।

परिकल्पना क्रमांक – 01

"विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों और उनकी गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सह संबंध पाया जायेगा

विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह संबंध गुणांक का मान गणना द्वारा 0.567 प्राप्त हुआ। स्पष्ट है कि विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह संबंध गुणांक साधारण धनात्मक है। विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अतः परिकल्पना क्रमांक – 01 स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक - 02

"ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में सार्थक अन्तर पाया जाएगा।"

सारिणी क्रमांक – 01

	N	**M**	**CR**	**df**	**सार्थकता**
ग्रामीण	50	40.7			0.01 विश्वास स्तर पर
शहरी	50	43.7	2.67	98	सार्थक अंतर है।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की गणित विषय की अध्ययन आदतों में सार्थक अंतर के लिए t का मान 2.67 प्राप्त हुआ, जो 98 df के लिए 0.01 विश्वास स्तर पर वास्तविक मान से 2.63 से अधिक है। अतः शहरी और ग्रामीण विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में सार्थक अंतर पाया गया है और परिकल्पना क्रमांक – 02 स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना क्रमांक – 03

"उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया जाएगा।"

सारिणी क्रमांक - 02

	N	M	CR	df	सार्थकता
ग्रामीण	50	26.5			0.01 विश्वास स्तर पर
शहरी	50	29.4	2.7	98	सार्थक अंतर है।

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर के लिए t का मान 2.7 प्राप्त हुआ जो 98 df. के लिए 0.01 विश्वास स्तर पर वास्तविक मान से 2.63 से अधिक है। अतः शहरी और ग्रामीण विद्यार्थियों की गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया है व परिकल्पना क्रमांक-03 स्वीकृत हुई।

निष्कर्ष (Conclusion) – प्रस्तुत शोध के निष्कर्ष निम्नलिखित हैं -

1. विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों और गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य साधारण धनात्मक सह-संबंध पाया गया अर्थात् अध्ययन आदतों का गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
2. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर पाया गया। ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में शहरी विद्यार्थियों की गणित विषय की शैक्षिक उपलब्धि उच्च है।
3. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों में अन्तर पाया गया। शहरी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में अधिक पायी गयी।

सुझाव (Suggestions)- शोध निष्कर्षों के आधार पर निम्नांकित सुझाव प्रस्तुत हैं -

1. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी विद्यालयों में आवश्यक शैक्षिक सामग्री, पुस्तकालय, पुस्तकों की व्यवस्था की जानी चाहिए।
2. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के अप्रशिक्षित शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए तथा समय-समय पर गणित विषयों के शिक्षकों के लिए विषयगत् उन्मुखीकरण, प्रशिक्षण आयोजित किए जाने चाहिए।

3. ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों की शालाओं में गणित विषय की प्रयोगशाला निर्मित की जावे।
4. बालक अध्ययन की उचित योजना नहीं बना पाते हैं। अतः उनकी अध्ययन आदतों के विकास हेतु उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए।
5. विद्यार्थियों को विद्यालय के पुस्तकालय का भरपूर उपयोग करना चाहिए।

संदर्भ (References)

1. भारद्वाज, परदेशी राम : हाई स्कूल स्तर पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी विज्ञान विषय के प्रति अभिरूचि एवं अध्ययन आदतों के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।
2. सिंह, जॉएस ग्रेस : हाई स्कूल स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी अध्ययन आदतों व अभिवृत्ति के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।